संvad

Moving Every Mile With A Smile

Maheshwari Logistics Ltd.

Coal | Logistics | Paper

Welcome 2021

October-December 2020
ISSUE 9

अति सर्वनाशहेतुर्डातोऽत्कान्तं विवर्जकोत्।

Excess is the cause of the ruin. Hence one should avoid it in any case.

स्पर्श

संवाद में आप सभी की भागेदारी देख कर काफ़ी हर्ष होता है परंतु जैसा कि पहले भी कई बार आप लोगों से मेरा अनुरोध रहा है कि खुद के साथ-साथ हम अपने परिवार को भी संवाद का एक हिस्सा बनाएँ तो इसमें चार चाँद लग जाएँगे।

परिवारों को इसमें शामिल करने के लिए ही चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया था। पर खेद है कि उसमें गिने चुने लोगों ने ही हिस्सा लिया। हाँ पर जिन्होंने भी हिस्सा लिया उन्होंने बहुत ही उम्दा कलाकारी दर्शायी है।

अपनी कविता लिखने की कला, कहानी लिखने की कला, पाक कला आदि भी आप सभी दिखा रहे हैं। हमारे इतने बड़े परिवार में और भी कई कलाकार होंगे। हम सभी आप सभी की कला से अवगत होना चाहते हैं। आप सब को आगे आ कर साथ देना होगा। आप सब के साथ साथ आपका परिवार भी इसका हिस्सा बने उसके लिए आप सभी के सुझाव आमंत्रित हैं। प्रियंका के मोबाइल नम्बर **+ 91 9824302806** पर आप अपने सुझाव दे सकते हैं।

जीवन में हमारे पास हमेशा दो विकल्प होते हैं-

भाग लो (Run away) या फिर

भाग लो (Participate)

मैं ये तो नहीं कहूँगी कि आप लोग पहला वाला तरीका अपना रहे हैं पर ये जरुर कहना चाहूँगी कि आप लोग संवाद के लिए दूसरा वाला तरीका जरूर अपनाएँ।

नए साल में आप सबका और अच्छा योगदान मिलेगा इसी आशा के साथ आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

Mukta Maheshwari
Editor - Samvad

समन्वय

साथियों,

आशा करता हूँ कि आप अपना और अपने परिवार का पूरा ध्यान रख रहे हैं।

साल २०२० का ये संवाद का आखरी अंक है। ये साल सबके लिए काफी कठिन रहा है, चाहे वो पारिवारिक तौर पर हो या फिर व्यापारिक तौर पर। इस साल ने हमें ये समझा दिया है कि हमारी जरूरतें असल में कितनी कम हैं। यह साल, हमें क्या चाहिए ये सोचने का नहीं है बल्कि हमारे पास जो है उसकी प्रशंसा करने का है। इस साल हमारे सामने दो विकल्प थे, या तो परिस्तिथियों को जैसा है वैसा स्वीकार करें या फिर उनको बदलने के लिए सारे मुमकिन प्रयास करें। मुझे गर्व है **MLL** की पूरी टीम पर कि इस कठिन समय को भी हमने एक दूसरे के सहयोग के साथ कितनी आसानी से निकाल दिया है।

इस साल हमारी सोच ये रही है कि कम्पनी को जिस से ज्यादा मुनाफा हो ऐसे बिजनेस को आगे बढ़ाएँ। धीरे-धीरे हम कम्पनी के वेस्ट पेपर बिजनेस को बढ़ा रहे हैं और एक नयी कोर पाइप की फेक्टरी भी जल्द ही शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हम पेपर मिल की मशीन को अपग्रेड कर रहे हैं जिस से मिल में बन रहे पेपर को और बेहतर बना सकें।

मैंने आपको पिछले अंक में सूचित किया था कि हमारे बोर्ड ओफ डाइरेक्टर्स ने हमारे शेयर होल्डर्ज़ के लिए १:१ का बोनस देने का सुझाव दिया है, और मुझे ये बताते हुए हर्ष है कि हमने १:१ बोनस की पूरी कार्यवाही समाप्त कर ली है और सभी शेयर होल्डर्ज़ को उनका उचित बोनस मिल चुका है।

आने वाला नया साल बड़ी आशा और चुनौतियों के साथ आ रहा है। आशा ये है कि कोरोना महामारी जल्द से जल्द समाप्त हो जाए और चुनौती ये है कि हमें व्यापार को हर साल की तरह आगे बढ़ाने के लिए और अधिक मेहनत करनी होगी।

आप सब से बस आखिर में इतना कहूँगा

अपने सपनों को नींव बनाना, पूरे विश्वास से कदम उठाना।
कामयाबी का हिसाब दुनिया खुद लगाएगी, तुम तो बस आगे बढ़ते जाना।।

आप सभी को साल 2021 की बहुत बहुत शुभकामनाएँ

Varun Kabra
MD, Maheshwari Logistics Ltd.

श्रध्दांजलि

गं. स्व. गोदावरीबेन मिस्त्री

श्री नवरतनजी मालपानी

श्रीमती शांता देवी मालपानी

जैसे समय बीतता जाएगा वैसे जख्म भरते जाएंगे, मगर आप लोगो के साथ बिताए हर पल हमेशा याद आएँगे।

IN HOUSE TALENT

तुम चलो तो सही

राह में मुश्किल होगी हजार,
तुम दो कदम बढाओ तो सही,
हो जाएगा हर सपना साकार,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

मुश्किल है पर इतना भी नहीं,
कि तू कर ना सके,
दूर है मंजिल लेकिन इतनी भी नहीं,
कि तू पा ना सके,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा,
तुम्हारा भी सत्कार होगा,
तुम कुछ लिखो तो सही,
तुम कुछ आगे पढ़ो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

सपनों के सागर में कब तक गोते लगाते रहोगे,
तुम एक राह चुनो तो सही,
तुम उठो तो सही,
तुम कुछ करो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

कुछ ना मिला तो कुछ सीख जाओगे,
जिंदगी का अनुभव साथ ले जाओगे,
गिरते पड़ते संभल जाओगे,
फिर एक बार तुम जीत जाओगे।
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

सुमेरसिंह जोधा, मेंगलोर

Rangoli by
Yogesh Poddar, Ahmedabad

राष्ट्रीय त्यौहार

देश में साझा संस्कृति का कोई राष्ट्रीय त्यौहार होना चाहिए

राष्ट्र में रहने वालों के धर्म, भाषा, खान–पान, पहनावा अलग– अलग हो सकते हैं मगर राष्ट्र तो सबका एक ही है इसलिए राष्ट्रीय आस्था के किसी साझा बिंदु की आवश्यकता पहले भी थी, आज भी है, जिसका सम्मान प्रत्येक देशवासी करे। कोई एक त्यौहार ऐसा हो जिसे राष्ट्र को समर्पित करते हुए देश के सभी नागरिक अपने घर में अन्य त्यौहारों की भाँति मनाएँ। इस दृष्टि से स्वतंत्रता– दिवस(१५ अगस्त) तथा गणतंत्र– दिवस(२६ जनवरी) सर्वाधिक उपयुक्त प्रतीत होते हैं।

स्वतंत्रता–दिवस और गणतंत्र– दिवस को त्यौहार के रूप में स्थापित करने के लिए इस उपलक्ष्य पर शुभ– कामना संदेश का आदान– प्रदान करिए। अपने घर– प्रतिष्ठान की आंतरिक व बाह्य सज्जा तिरंगी आभा के साथ करिए। परिवार में अस्थायी रूप से राष्ट्र–पताका (तिरंगा– झंडा) की स्थापना करके, उसके सामने खड़े होकर परिवार के सभी सदस्य राष्ट्रगान ' जनगणमन.....', राष्ट्रगीत ' वन्दे मातरम.....' का गान करें।, राष्ट्र पताका पर पुष्प– वर्षा करिए।

अन्य त्यौहारों की तरह रसोई महकाइए, मिठाई बाँटिए। स्वतंत्रता– आंदोलन की गाथा का पारायण– श्रवण करिए, देश के लिए बलिदान होने वाले अपने परिवार के यदि कोई सदस्य हो तो उनका पुण्य स्मरण करिए। अपने से छोटों को तथा घर के सेवकों, प्रतिष्ठान के कर्मचारियों को उपहार अथवा नगद के रूप में त्यौहारी दीजिए। अपने से बड़ों को प्रणाम कीजिए। घर में मिल कर चिंतन करिए कि पानी कैसे बचाया जाए, पर्यावरण की रक्षा कैसे करें। सैनिक– परिवार– कल्याण योजना में दान दीजिए।

अपने पूजा स्थल पर विराजमान भगवान की मूर्तियों का तिरंगी आभा के साथ साज– शृंगार करिए, अपने–अपने उपासना स्थलों, गिरजाघरों , मस्जिद, गुरुद्वारा, मंदिर की सजावट में तिरंगी आभा बिखेरिए। भगवान से प्रार्थना करिए कि हमारे परिवार में राष्ट्र– बोध सदा प्रवाहमान रहे।

श्रीराम माहेश्वरी, बनारस

रिटर्न टिकट तो कनफर्म है

इसलिए मन भर कर जिएँ,
मन में भर कर ना जिएँ,
जितना है पास तुम्हारे,
पहले उसका मजा लीजिए,
चाहे गुजरिए जिधर से, मीठी सी हलचल मचा दीजिए,
उम्र का हर एक दौर है मजेदार उम्र का अपनी मजा लीजिए,
मैं और तुम की कश्ती छोड़ के कुछ हमारी सुनिए तो कुछ अपनी सुनाइए,
माना कि मिलना है एक दिन मिट्टी में सभी को
लेकिन जीते जी खुद को मिट्टी में ना मिलने दीजिए,
क्या शिकायत करें दुनिया से,
जिसने जन्म दिया है उसका शुक्रिया अदा कीजिए,
बच्चे बन कर हम सब आए थे,
सच्चे बन कर विदा लीजिए,
रिटर्न टिकट तो कनफर्म है जिंदगी का मजा लीजिए।

प्रियंका दूबे, वापी

आप अपने हुनर को इस पते पर भेज सकते हैं, या priyaupadhyaymlpl@gmail.com पर मेल कीजिए ।
Priyanka Dubey, MLL House, Shed No A2-3/2, Opp. UPL, 1st Phase, GIDC, VAPI - 396 195. Mobile No. 98243 02806

Health Corner - नारियल तेल के लाभ

हाल ही में मैंने यह अनुभव किया है कि मेरी त्वचा पर पिछले कई सालों से जो काले धब्बे और खुजली की दिक़्क़त रहती थी, वह प्रतिदिन नहाने के पहले नारियल तेल लगाने से काफ़ी जल्दी मिट गयी है।

एग्जिमा का भी इलाज करने में नारियल तेल काफ़ी कारगर रहा है। नारियल तेल के फायदे में पाचन स्वास्थ्य में सुधार भी शामिल है। दरअसल, नारियल तेल को हेल्दी ऑयल माना जाता है, जो पाचन को बेहतर करने में मददगार होता है।

होठों पर लगाने के लिए भी नारियल तेल का इस्तेमाल किया जाता है। नारियल तेल में मौजूद वसा होठों की त्वचा को नमी देने में मदद करती है। नारियल तेल बालों के लिए भी फायदेमंद है। बालों की सुरक्षा के लिए कोकोनट ऑयल हेयर मास्क की तरह काम करता है। जी हां, बालों में नारियल तेल लगाने से बालों का प्रोटीन लॉस कम होता है

माया काबरा, अहमदाबाद

खाना खजाना - कॉर्न पालक के पकौड़े

सामग्री: पोहा–१ कप, उबाल कर थोड़े मोटे पीसे हुए भुट्टे के दाने–१ कप, बेसन–१/२ कप, बारीक कटा पालक–१ कप, बारीक कटी हरी मिर्च–१ टेबल स्पून, पिसा अवरक–२ टी स्पून, थोड़ा खट्टा वही–१/२ कप, हल्दी–१/४ टी स्पून, हींग–१/४ टी स्पून, लाल मिर्च पाउडर–१ टी स्पून, नमक–चीनी स्वादानुसार, मोटी कुटी मूँगफली–२ टेबल स्पून, सोडा– चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल–१ टेबल स्पून, तेल पकौड़े तलने के लिए

विधि: पोहा धो कर उसका पानी निथार लें। मोयन का तेल छोड़ कर उसमें बाक़ी सभी सामग्री डालें। थोड़ा मसल कर मिलाएँ। फिर उसमें आवश्यकतानुसार पानी मिलाकर मध्यम गाढ़ा घोल बनाएँ। इस घोल में गरम तेल का मोयन मिलाएँ। गरम तेल में इसके मध्यम आकार के पकौड़े डालें। उन्हें थोड़ा लाल और क्रिस्पी होने तक तलें। हरी चटनी और सॉस के साथ गरम- गरम परोसें।

रूपल मजीठीया, वापी

India was the first country to mine diamonds

From the 4th century BC for around 1,000 years, India was the only source of diamonds in the world. Diamonds were first found near Krishna River Delta. The earliest producing diamond mines were in the Golconda region of India. Diamonds were found only in alluvial deposits in Guntur along the rivers Penner, Krishna and Godavari in Southern India.

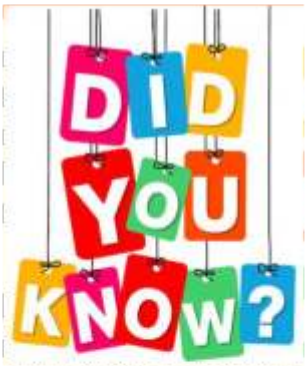

The significance of diamonds in ancient Indian society was so great that there was a separate profession for it called "Mandalins", the diamond experts. At the time of their discovery, diamonds were valued because of their strength and brilliance, and for their ability to refract light and engrave metal.

Collected by Shubham Maheshwari, Vapi

खेल खेल में

Sudoku

5	3			7				
6			1	9	5			
	9	8					6	
8				6				3
4			8		3			1
7				2				6
	6					2	8	
			4	1	9			5
				8			7	9

पहेलियाँ

★ 'रंग भरो प्रतियोगिता', संवाद- अंक ८ के निर्णय ★

1. What number goes into the empty brackets?

98	(79)	126
105	(79)	135
48	(35)	80
34	( )	85

2. Find the colours concealed in these sentences.
   Each sentence has one colour.
1. Temper or anger are signs of weakness.
2. The money is for Edward.
3. You'll find I got it elsewhere.
4. I'm a gent and a lady's man,' he said

Rajneesh Ray - *1st prize*

पिछले अंक में प्रकाशित रिडल्स के सही जवाब है...

1. Barber • 2. Egg/Coconut

रिडल्स के सही जवाब देने वालों के नाम है...

Rajneesh Ray, Vapi
Yogesh Poddar, Ahmedabad

ईनाम पाने के लिए आप को बहुत बहुत बधाई

रिडल्स के सही जवाब आपको 15th February तक भेजने है।
जिनके भी जवाब सही होंगे, उनमें से लकी ड्रॉ के द्वारा 5 नाम चुन कर संवाद के अगले अंक में उत्तर के साथ प्रकाशित किए जाएँगे ।

GLIMPSE OF EVENTS

Diwali Pooja at MLL, Ahmedabad

Diwali Pooja at MLL House, Vapi

Satchandi Pooja at Ambethi Factory, Vapi

Navratri Pooja at MLL House, Vapi

Kabbadi at Ambethi Factory, Vapi

A Tribute to our elders who will never be forgotten

स्वर्गीय श्री प्रेम नारायणजी माहेश्वरी

प्रेम - यादों का याराना

मित्र थे मेरे पुराने,
अक्सर आते जाते थे।
कभी सुबह तो कभी शाम,
दरवाजा खटकाते थे।।
दरवाजे के खुलते ही,
राम राम वो करते थे।
चाय पियूँगा पंडितजी,
हक से बोला करते थे।।
बैठ के गपशप करते थे हम,
मुझको बहुत हँसाते थे।
कुछ वो अपनी कहते थे,
कुछ मुझसे कहलाते थे।।
बीच भँवर में छोड़ कर जाना,
मुझको बहुत सताता है।
प्रेम की मीठी यादों का पल,
मुझको बहुत रुलाता है।।
मन में यह विश्वास लिए,
हर पल ईश्वर से कहता हूँ।
मिले प्रेम को स्वर्ग प्रेम से,
यह दिल से वंदन करता हूँ।।

आपका अपना पंडितजी
ऋषि त्रिपाठी, कानपुर

ગં.સ્વ.ગોદાવરીબેન ઈશ્વરલાલ મિસ્ત્રી

નથી હયાત પણ સાથે છો તમે,
હરદમ એમ લાગ્યા કરે છે,
હરપળ તમારા હોવાનો આભાસ થયા કરે છે,
યાદોમાં તમારા સતત દર્શન થયા કરે છે,
પ્રભુ આપની આત્માને શાંતિ આપે
એ જ પ્રાર્થના....

કોઈ આપે અશ્રુધારાથી અશ્રુ અંજલિ,
કોઈ આપે મધુરા શબ્દોથી શબ્દાંજલિ,
કોઈ આપે મીઠાં વચનથી વચનાંજલિ,
કોઈ આપે સાચા હૃદયથી હૃદયાંજલિ,
કોઈ આપે પુષ્પ ગુચ્છ હારથી પુષ્પાંજલિ,
કોઈ આપે સાચા ભાવથી ભાવાંજલિ,
કોઈ આપે ખુબ જ શ્રદ્ધાથી શ્રધ્ધાંજલિ,
પણ તમો તો છો, અમારા ચક્ષુ તણી,
અંજલિ,
આપના ચિંધ્યા પથ પર ચાલુ માંગુ એટલું,
ત્યારે જ અમારી સાચી તમોને શ્રધ્ધાંજલિ.

યોગેશ મિસ્ત્રી
વાપી

स्वर्गीय श्री नवरतनजी - श्रीमती शांता देवी मालपानी

हमारे बाऊजी- हमारी अम्मा

हमारे पूज्य बाऊजी व पूज्य अम्मा का जीवन हम सभी के लिए एक आदर्श है। दोनों ने सदैव एक दूसरे के परस्पर सहयोगी बनकर, एक सच्चे हमसफ़र की तरह जीवन जिया और साथ-साथ ही इस यात्रा को विश्राम भी दिया।

बाऊजी एक कर्मठ, कर्मशील व सकारात्मक व्यक्तित्व के धनी थे। LIC में नौकरी फिर व्यवसाय, हर क्षेत्र में अपनी मेहनत व ईमानदारी के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई व उच्चतम आदर्श स्थापित किए। LIC में कार्य के दौरान आगे प्रमोशन के लिए ग्रेजुएट डिग्री की आवश्यकता थी। छोटी उम्र में ही काम में लग जाने के कारण दिन में ऑफ़िस का काम और सुबह-शाम पढ़ाई कर उन्होंने ग्रैजूएशन पूरी की। इसी प्रकार व्यवसाय में आने के बाद प्रारंभ में हमारे मामाजी के सहयोग से जयपुर में कोयले का, फिर मकराना में मार्बल का व्यवसाय स्थापित किया और अपनी एक अलग पहचान बनाई।

अम्मा ने भी अपनी सेवा व कर्तव्य परायणता से परिवार व समाज में एक विशिय स्थान बनाया। एक सच्ची सहधर्मिनी की भाँति हर परिस्थिति में बाऊजी के साथ शक्ति बन कर खड़ी रहीं। उनके सेवा भाव व समर्पण के फलस्वरूप हमारा पूरा मालपानी परिवार उन्हें अम्मा कर कर ही बुलाता था।

ऐसे आदर्श माता पिता की संतान होना हमारा सौभाग्य है।

अशोक मालपानी
सूरत